सरकार के कदम से चीनी में आया दम

सरकार के आयात शुल्क बढ़ाने से चीनी के दाम 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक हो सकते हैं महंगे

सुशील मिश्र
मुंबई, 23 जून

रेल किराया बढ़ाने के बाद सरकार ने चीनी कंपनियों की सेहत सुधारने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। इनसे चीनी कंपनियों के सेहत में सुधार आए या न आए, लेकिन आम आदमी के लिए चीनी का स्वाद लेना जरूर महंगा हो जाएगा। सरकार के आयात शुल्क बढ़ाने से चीनी के दाम 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ सकते हैं। चीनी महंगी होने का संकेत आज वायदा बाजार में भी दिखा और यहां चीनी की कीमतों में दो फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

घरेलू चीनी कंपनियों को राहत देने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए आयात शुल्क में वृद्धि का फैसला किया है। चीनी पर आयात शुल्क 15 फीसदी है, जिसे बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया गया है। इससे कीमतों में 3-4 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आ सकती है।

वायदा बाजार में एनसीडीईएक्स पर चीनी का जुलाई अनुबंध 53 रुपये बढ़कर 3,097 रुपये, अगस्त अनुबंध 64 रुपये बढ़कर 3,137 रुपये, सितंबर अनुबंध 58 रुपये बढ़कर 3,193 रुपये और अक्टूबर अनुबंध 50 रुपये बढ़कर 3,169 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान चीनी की वायदा कीमतें 3,200 रुपये प्रति क्विंटल को पार कर 3,219 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गईं।

चीनी पर आयात शुल्क 15 से बढ़ाकर 40 फीसदी किया

वायदा का असर हाजिर बाजार पर भी पड़ा। सबसे ज्यादा कारोबार वाली चीनी एम 30 की कीमत 3,460 रुपये तक पहुंच गई, जबकि चीनी एस 30 के दाम 3,380 से बढ़कर 3,430 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए। कारोबारियों का कहना है कि चीनी की कीमतों में अभी और तेजी आएगी। इस उद्योग से जुड़े लोगों का तर्क है कि मोदी सरकार की आक्रामकता को देखते हुए लगता है कि आने वाले समय में कुछ और सख्त कदम उठाए जा सकते हैं, जिनमें कंपनियों को दी जा रही सब्सिडी कम करना भी शामिल है।

कच्ची चीनी निर्यात पर सब्सिडी 2,777 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 3,300 रुपये प्रति टन कर दी गई है। महाराष्ट्र कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चालू सीजन में राज्य सरकार गन्ने के समर्थन मूल्य में भी 210 से 220 रुपये प्रति क्विंटल तक की बढ़ोतरी का मन बना चुकी है। इसका असर कीमतों पर पड़ना तय माना जा रहा है। आयात शुल्क बढ़ने से चीनी आयात करना महंगा हो जाएगा, जिसका फायदा घरेलू कंपनियों को मिलेगा। इससे और अन्य सरकारी उपायों से कंपनियों के सेहत में तो सुधार होगा, लेकिन घरेलू बाजार में चीनी महंगी हो जाएगी। चीनी कारोबारी रंजीत जाधव कहते हैं कि फिलहाल चीनी का भाव 3,100 रुपये प्रति क्विंटल है, लेकिन सरकारी फैसलों से थोक बाजार में यह 200 रुपये तक बढ़ सकता है। कमजोर मॉनसून का असर गन्ने की फसल पर पड़ने लगा है। ऐसे में अगर गन्ने का उत्पादन कम रहा तो इस साल चीनी 4,000 रुपये प्रति क्विंटल तक भी पहुंच सकती है देश में 19 जून तक 44 लाख हेक्टेयर में गन्ने की रोपाई हो पाई है, जबकि पिछले साल इस समय तक 45 लाख हेक्टेयर में रोपाई हो गई थी।

चीनी शेयरों में बढ़ी मिठास

बीएस संवाददाता
मुंबई, 23 जून

देसी मिलों को उबारने के लिए सोमवार को सरकार द्वारा कई सकारात्मक घोषणाएं किए जाने से चीनी मिलों के शेयर तेजी से चढ़े। श्री रेणुका शुगर्स का शेयर पिछले दिन के बंद स्तर से 10.32 फीसदी चढ़कर 29.40 रुपये और बजाज हिंदुस्तान का शेयर 9.87 फीसदी चढ़कर 29.50 रुपये पर बंद हुआ। बलरामपुर चीनी और सिंभावली शुगर्स के शेयरों की कीमतों में अहम बढ़ोतरी रही।

एसवीएस सिक्योरिटीज के रणनीतिकार हरीश वासुदेवन ने कहा, 'हाल तक चीनी उद्योग खस्ताहाल था। सरकार के इस क्षेत्र को उबारने के लिए हाल के उपायों से उद्योग की नकदी आवक बढ़ेगी। इससे आने वाले वर्षों में उद्योग के मुनाफे में वृद्धि के साथ ही इसका लाभ-आमदनी (पी/ई) अनुपात भी बढ़ेगा।' बेंचमार्क सेंसेक्स के सोमवार को कमजोर रहने के बावजूद चीनी शेयरों में भारी तेजी रही। आईआईएफएल के शोध प्रमुख अमर अंबानी ने कहा, 'इन सभी उपायों से निकट भविष्य में इस क्षेत्र की हालत सुधरेगी, लेकिन हम इसके शेयरों पर सतर्कता का नजरिया बरकरार रखेंगे।'

श्री रेणुका शुगर्स के प्रबंध निदेशक नरेंद्र मुरकुंबी ने कहा, 'सरारात्मक कदमों से चीनी की कीमतें कम से 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ने की संभावना है, जिससे मिलों की आमदनी में इजाफा होगा।' डीसीएम श्रीराम कंसोलिडेटेड के उप प्रबंध निदेशक अजित श्रीराम ने कहा कि इन उपायों से उद्योग को गन्ने का 11,000 करोड़ रुपये का बकाया चुकाने में मदद मिलेगी और अगले साल से मुनाफे में आने में मदद मिलेगी।

Business St.